

Living the LOTUS

Buddhism in Everyday Life

5
2015

VOL. 116

FOUNDER'S ESSAY

आपस में मिलनाजुलना

केडओ विश्वविद्यालय के पर्यावरण सूचना विभाग के डा. केईगो ओकोनोगी ने इस युग के लोगों को चेतावनी दी है कि जो बराबर कम्प्यूटर के खेल में लगे रहते हैं वे लोग अपने मित्रों के साथ नहीं खेलते हैं और नहीं तो उनके व्यक्तिगत सम्पर्क में आते हैं। ऐसे लोगों में आपसी सम्बन्ध बढ़ाने के कौशल का विकास नहीं होता है। जब हमें दूसरों के सम्पर्क में आते हैं, हमें उनकी सोच समाज में उनका मान सम्मान एवं हमारे बीच के समान पक्षों की जानकारी मिलती है। इसके विपरीत मशीन के साथ हम विचारों का आदान प्रदान नहीं कर सकते हैं। कम्प्यूटर दत्त सामग्रियों का प्रोसेसिंग करता है उनका स्वतः आंकलन करता है परन्तु यह आपसी सम्पर्क से मिले ज्ञान से भिन्न है। हम मशीन को काम में लाते हैं जब हमें उसकी आवश्यकता होती है।

मशीन हमारे काम को सहज बनाता है। मशीन वही करता है जो हम उससे कराते हैं। चलाने वाला अपने को एक राजा की

तरह एकछत्र अधिकारी मानने लग जाता है। जब आदमी की सोच ऐसी बन जाती है उसे अन्य के सम्पर्क में आना सरल नहीं लगता, निराशाजनक प्रतीत होता है। आज के युग में अपने में सिमटकर जीने एवं लोगों के न्यूनतम सम्पर्क में आने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। परन्तु यदि अधिक से अधिक लोग ऐसी जीवन पद्धति अपनाते हैं तो किस प्रकार का समाज सामने होगा।

मानव सम्बंधों का श्रोत हमारी इस चेतना में है कि हमारी तरह ही दूसरों में भी हर्ष विषाद आशा का भाव है। ऐसा कहा जा सकता है कि पुण्डरीक सूत्र में बोधिसत्त्व सदाअपरिभूत द्वारा दूसरों में अन्तर्निहित बोधिचित्त को स्वीकारने एवं उन्हें अभिज्ञ कराने की प्रवृत्ति को अपने दिल दिमाग बैठा लेना चाहिए। जैसे जैसे समाज में कम्प्यूटर का व्यसन बढ़ रहा है यह उतना ही अनिवार्य हो रहा है कि हम दूसरों में अन्तर्निहित बोधिचित्त को पहचाने।

द्वारा-काइसोजुइकन-८, कोसेई प्रसारण क०, पृ 42-43

Living the Lotus Vol. 116 (May 2015)

Published by Rishso Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editor: Etsuko Nakamura
Editorial Staff of RK International

रिशो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

आम आदमी राष्ट्र की अमानत है

निचिको निवनो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेई कार्ई

यथासाध्यप्रयास

आज की आर्थिक विषमता के युग में बहुत सारे लोगों में ऐसी प्रवृत्ति बढी है कि वे दूसरे लोगों से आगे निकल जाने में अपनी सफलता देखते हैं।

प्रयत्न करना एवं उसका प्रतिफल पाने का महत्त्व है। परन्तु मेरे विचार से ऐसी प्रवृत्ति न्यायसंगत नहीं है क्योंकि समाज यहाँ आम आदमी के कार्यों को कोई महत्त्व नहीं देता है। आम आदमी ऐसा कार्य नहीं करता है जो विशिष्ट श्रेणी में आता है। उसके कार्य को बहुत उपयोगी नहीं मानकर उसे अनायास ही नौकरी से निकाल देते हैं क्योंकि ऐसा करना कम्पनी के वर्तमान स्थिति के अनुकूल है।

आर्थिक संघटन के संचालन में ऐसी छटनी की व्यवस्था साधारण कारवाई हो सकती है। लेकिन हमें इस सम्बंध में राष्ट्रीय एवं स्थानीय परिपेक्ष को ध्यान में रखकर देखना चाहिए। हमारा समाज उन आम आदमियों से बना है जो अथक परिश्रम से उन कार्यों को पूरा करते हैं जो उन्हें करने को दिया जाता है। राजनेता देश को चलाते हैं। उनके घर की महिलाएँ घर एवं घर के सदस्यों की सारी जिम्मेदारियाँ निस्पृह संभालती हैं जिससे कि वे घरेलु व्यवधानों से वेफिक्र होकर राष्ट्र हित के कार्यों में अपना सम्पूर्ण समय देने में समर्थ रहते हैं। कम्पनी के साथ भी ऐसा ही है। कितना ही सक्षम किसी कंपनी का प्रेसिडेण्ट क्यों न हो, कम्पनी की कल्पना उसके वैसे समर्पित कर्मचारियों के विना नहीं हो सकती है जो उनके लिए पसीना बहाते हैं।

विविध कार्य क्षेत्रों में यहाँ तक कि गृहकार्यों के संचालन में भी जो आगे चल रहे हैं तथा जिन्हें सफल संचालन का श्रेय मिलता है, उनके इस श्रेय के मिलने के पीछे जिनका श्रम लगा है उनका महत्त्व कम नहीं है।

प्रतिगामी चाल की तरह यह इतना सहल लगता है- जैसे हाथ में आये कार्यों को पूर्ण क्षमता से निपटाना।

नवीं शताब्दी के लीन जी (जापानी में रिन जाई) सम्प्रदाय के



संस्थापक चीन के जेन आचार्य लीन जी ईश्वान के इन शब्दों में व्यक्तभाव के अनुसार- “किसी भी परिस्थिति में तुम मास्टर बनकर निकलते हो तथा जहाँ तुम स्वयं को खड़ा पाते हो वह सत्य की भूमि होगी”। यदि दूसरों के विचारों पर ध्यान नहीं देकर सहर्ष दृढ़ संकल्प के साथ कार्य को अंजाम तक पहुँचाते हो उस अवस्था में वह कार्य एवं वह स्थान जहाँ हम हैं वह एक मंच बन जाता है जहाँ से हम अपने विकास के पथ पर बढ़ जाते हैं।

सहृदयता से दान देना

चिर पूर्व जापान अपने सुन्दर हस्तकला के लिए दूर दूर तक विख्यात था। प्रशान्त महासागरीय युद्ध के उपरान्त के प्रारंभिक काल में प्रत्येक क्षेत्र में शिल्पकला एवं प्रौद्योगिकी के विकास की ओर प्रयत्न किया गया जिससे देश का सर्वांगीण विकास हुआ।

जिन औजारों को साधारणतः प्रयोग में लाते हैं या आधुनिकतम स्पेस राकेट हो, उनके विकास में आधुनिकतम वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है। अतीत में या जैसा कि आज है, विकास उन्हें बनानेवाले कारीगरों वैज्ञानिकों की सोच एवं बुद्धि का प्रतिफल है जिसका ध्येय है- ऐसी चीजों का निर्माण करो जो कार्य को आसान बना दे, ऐसी चीजों का विकास करो जो लोगों के काम आये। मानव जाति के विकास में सहयोग की कामना जैसी भावना से शिल्पकला एवं प्रौद्योगिकी में सुधार लाने के प्रयास में शिल्पकार एवं वैज्ञानिक निरन्तर लगे रहते हैं। मैं नहीं सोचता कि महत्त्वपूर्ण स्थान पर पहुँचने की कामना करने वाले या मोटी रकम पाने वाले कर्मचारी प्रशिक्षण एवं शोध जैसे कठिन श्रमसाध्य कार्य करने में समर्थ होंगे।

अपने कार्य को सहर्ष करना उसमें आनन्द लेना उत्तम है। परन्तु उससे बढ़कर दूसरों को मदद करने में आनन्द लेना है। इससे एक प्रकार की उर्जा मिलती है जो हमारे दैनिक जीवन का आधार है। हमारी जीवन पद्धति बहुत उन्नत नहीं भी हो वह आनन्द हमारे जीने का कारण बनता है तथा हमें आत्मविश्वास एवं सम्मानपूर्वक जीने की इच्छाशक्ति देता है। ऐसा स्वयं को विकास की ओर ले जाने का सद्बिचार किसी को भी हाथ में आये कार्य को

करने की अदम्य शक्ति देता है।

दूसरों को मदद करने में आनन्द लेने की भावना दान देनेवाले के मन हृदय में उत्पन्न होता है। जब आप दूसरों को दान में कुछ देते हैं उससे वे भी आनन्दित होते हैं और उनका आनन्द हमें भी पलट कर आनन्दित करता है। यह आनन्द हमें अपने कार्य के प्रति अधिक समर्पित बनाता है तथा हमें उत्तर विकास में प्रोत्साहन मिलता है। यश ऐश्वर्य के हेतु नहीं बल्कि इस प्रकार स्वयं को जीवन्त रखने हेतु करता है जिससे कि बेकार आम आदमी का लेवल उतर जाए। अपने अनादरित जीवन की हीनभावना से उपर उठकर आत्मविश्वास एवं सम्मान का जीवन यापन कर सकेगा।

जैसा कि बुद्ध ने हम सब के निमित्त कहा है-“मैं ही एकमात्र देवमनुष्यों के लोक में परम प्रतिष्ठ हूँ। विना अपवाद के इस लोक के प्रत्येक प्राणी को जीवन मिला है उसका विशेष प्रयोजन है। जब हम अपनी भावनाओं एवं अहंभाव से ग्रसित होते हैं जीवन के मूल लक्ष्य एवं मूल्य को समझ नहीं पाते हैं।

उस बन्धन से जो मुक्त करता है तथा अन्तर्भूत मूल्य को सामने लाता है वह है दूसरों के जीवन में सुख एवं आनन्द लाना, उनके हित में यथासाध्य कार्य करना अर्थात् दूसरे शब्दों में दान देने की भावना का होना है।

जापान में तेनदाई (पुण्डरीक) सम्प्रदाय के संस्थापक साई चो (७६७-८२२) ने कहा है - वे जो अपने घरों में दीपक जलाते हैं वे राष्ट्र के अमानत हैं। वे आम आदमी हैं जो सदा घर से सम्पूर्ण देश को कर एवं सेवा में देते हैं तथा असल में राष्ट्र के शक्तिरूप हैं।

From Kosei, April 2015.



Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2015

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A.
Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Rd. Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http://www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel: 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/rkchi/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Fort Myers

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: ok.risshokoseikai@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongzheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

423, Han-nam-dong, Young-San-ku, Seoul, 140210, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Pusan

1258-13, Dae-Hyun-2-dong, Nam-ku, Kwang-yok-shi, Pusan, 608816,
Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong,
Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

15f Express tower, Enkh taiwii urgun chuluu, 1st khoroo, Chingeltei district, Ulaanbaatar, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Roma

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK**Rissho Kosei-kai of Venezia**

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

Rissho Kosei-kai of Sydney**International Buddhist Congregation (IBC)**

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 Fax: 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House No.467, Road No-8 (East), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani

Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai,
Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka

382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**Rissho Kosei-kai of Habarana**

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Galle**Rissho Kosei-kai of Kandy****Branches under the South Asia Division****Delhi Dharma Center****Rissho Kosei-kai of West Delhi**

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Tel: 977-1-552-9464 Fax: 977-1-553-9832

e-mail: nrkk@wlink.com.np

Rissho Kosei-kai of Lumbini

Shantiban, Lumbini, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Other Groups**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**